



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCAs, Faridabad  
(formerly YMCAs University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: [www.icboseust.ac.in](http://www.icboseust.ac.in)



GOLDEN JUBILEE YEAR  
(1969-2019)

**NEWS CLIPPING:22.03.2023**

## AAJ SAMAJ

# सीवी रमन के नोबेल पुरस्कार से जुड़े तथ्यों पर हुई चर्चा

गोपाल अरोड़ा

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, चाईएमसीए, फरीदाबाद के भौतिकी विभाग ने मंगलवार को भौतिकी में नोबेल पुरस्कार के लिए रमन की खोज की कहानी पर व्याख्यान का आयोजन किया, जिसे पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के पूर्व कुलपति प्रो अरुण कुमार आमंत्रित वक्ता रहे।

उन्होंने सर चंद्रशेखर वेंकट रमन की यात्रा और नोबेल पुरस्कार के लिए उनके दृढ़ संकल्प के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने अपने व्याख्यान की शुरुआत सर जेसी बोस की वैज्ञानिक यात्रा और आधुनिक विज्ञान में उनके योगदान से की। उन्होंने कहा कि जेसी बोस की रुचि केवल शोध में थी और



दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए।

आज समाज

उन्होंने इस वैज्ञानिक आविष्कार के पेटेंट या नोबेल पुरस्कार के लिए कभी दावा नहीं किया जबकि सीवी रमन ने नोबेल पुरस्कार के लिए दुनियाभर के वैज्ञानिकों को चुनौती दी। प्रो. ग्रोवर ने सीवी रमन के नोबेल पुरस्कार से जुड़े

दिलचस्प तथ्यों को रखा। उन्होंने कहा कि सीवी रमन न केवल अपने समय के विज्ञान के शीर्ष पायदान पर एक बहुत ही प्रतिभाशाली भौतिक विज्ञानी थे, बल्कि उन्हें कलकत्ता विश्वविद्यालय में साथी वैज्ञानिकों एवं

संरक्षकों का भी समर्थन प्राप्त हुआ।

उन्होंने कहा कि उन्हें अपने काम की गुणवत्ता पर भी बहुत भरोसा था और नोबेल पुरस्कार के लिए नामांकन के लिए यूरोपीय और अमेरिकी वैज्ञानिकों से संपर्क करने में उन्होंने बिल्कुल संकोच नहीं किया।

कुलपति प्रो एस के तोमर ने प्रो. ग्रोवर द्वारा विज्ञान से जुड़े रोचक तथ्यों को विद्यार्थियों के समक्ष रखने के लिए उनका धन्यवाद किया तथा विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में भौतिकी विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इससे पहले भौतिकी विभाग की अध्यक्ष डॉ. अनुराधा शर्मा ने आमंत्रित वक्ता का स्वागत किया और विद्यार्थियों को विज्ञान के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. मनीषा गर्ग ने धन्यवाद ज्ञापित किया।



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCAs, Faridabad  
(formerly YMCAs University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: [www.icboseust.ac.in](http://www.icboseust.ac.in)



GOLDEN JUBILEE YEAR  
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:22.03.2023

## PUNJAB KESARI

# सीवी रमन के नोबेल पुरस्कार से जुड़े रोचक तथ्यों पर हुई चर्चा

फरीदाबाद, 21 मार्च (पूजा): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के भौतिकी विभाग ने आज 'भौतिकी में नोबेल पुरस्कार के लिए रमन की खोज की कहानी' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया, जिसे पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के पूर्व कुलपति प्रो अरुण कुमार आम्बेडकर वक्ता रहे।

उन्होंने सर चंद्रशेखर वेंकट रमन की यात्रा और नोबेल पुरस्कार के लिए उनके दृढ़ संकल्प के बारे में विस्तार



दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. एस.के. तोमर एवं मुख्य वक्ता प्रो. अरुण कुमार प्रोवर।

से बताया। उन्होंने अपने व्याख्यान की शुरुआत सर जे.सी. बोस की वैज्ञानिक

यात्रा और आधुनिक विज्ञान में उनके योगदान से की। उन्होंने कहा कि जे.सी.

बोस की रुचि केवल शोध में थी और उन्होंने इस वैज्ञानिक आधिष्ठाक के पेटेंट या नोबेल पुरस्कार के लिए कभी दावा नहीं किया जबकि सीवी रमन ने नोबेल पुरस्कार के लिए दुनियाभर के वैज्ञानिकों को चुनौती दी। प्रो. प्रोवर ने सी. वी. रमन के नोबेल पुरस्कार से जुड़े दिलचस्प तथ्यों को रखा। उन्होंने कहा कि सीवी रमन न केवल अपने समय के विज्ञान के शीर्ष पाठ्यपत्र पर एक बहुत ही प्रतिभाशाली भौतिक विज्ञानी थे, बल्कि उन्हें कलकत्ता विश्वविद्यालय में साथी वैज्ञानिकों एवं

संरक्षकों का भी समर्थन प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने काम की गुणवत्ता पर भी बहुत भरोसा था और नोबेल पुरस्कार के लिए नामांकन के लिए यूरोपीय और अमेरिकी वैज्ञानिकों से संपर्क करने में उन्होंने बिल्कुल संकोच नहीं किया। कुलपति प्रो एस.के. तोमर ने प्रो. प्रोवर द्वारा विज्ञान से जुड़े रोचक तथ्यों को विद्यार्थियों के समक्ष रखने के लिए उनका धन्यवाद किया तथा विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में भौतिकी विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।



## PIONEER

# सीवी रमन के नोबेल पुरस्कार से जुड़े रोचक तथ्यों पर चर्चा

पायनियर समाचार सेवा।  
फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग ने 'भौतिकी में नोबेल पुरस्कार के लिए रमन की खोज की कहानी' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया, जिसे पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के पूर्व कुलपति प्रो अरुण कुमार आमंत्रित वक्ता रहे। उन्होंने सर चंद्रशेखर वेंकट रमन की यात्रा और नोबेल पुरस्कार के लिए उनके दृढ़ संकल्प के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने अपने व्याख्यान की शुरुआत सर जे.सी. बोस की वैज्ञानिक यात्रा और आधुनिक विज्ञान में उनके योगदान से की।

उन्होंने कहा कि जे.सी. बोस की रुचि केवल शोध में थी और उन्होंने इस वैज्ञानिक आविष्कार के पेटेंट या नोबेल पुरस्कार के लिए कभी दावा नहीं किया जबकि सीवी रमन ने नोबेल पुरस्कार के लिए दुनियाभर के वैज्ञानिकों को चुनौती दी। प्रो. ग्रोवर



दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. एस.के. तोमर एवं मुख्य वक्ता प्रो. अरुण कुमार ग्रोवर।

ने सी. वी. रमन के नोबेल पुरस्कार से जुड़े दिलचस्प तथ्यों को रखा।

उन्होंने कहा कि उन्हें अपने काम की गुणवत्ता पर भी बहुत भरोसा था और नोबेल पुरस्कार के लिए नामांकन के लिए यूरोपीय और अमेरिकी वैज्ञानिकों से संपर्क करने में उन्होंने बिल्कुल संकोच नहीं किया।

कुलपति प्रो एस के तोमर ने प्रो. ग्रोवर द्वारा विज्ञान से जुड़े रोचक तथ्यों को विद्यार्थियों के समक्ष रखने के लिए उनका धन्यवाद किया तथा विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में भौतिकी विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।





J. C. Bose University of Science and Technology, YMC, Faridabad  
(formerly YMC University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: [www.icboseust.ac.in](http://www.icboseust.ac.in)



GOLDEN JUBILEE YEAR  
(1969-2019)

**NEWS CLIPPING:22.03.2023**

## HADOTI ADHIKAR

### सीवी रमन के नोबेल पुरस्कार से जुड़े रोचक तथ्यों पर हुई चर्चा

फरीदाबाद, 21 मार्च। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाइएमसीए, फरीदाबाद के भौतिकी विभाग ने आज 'भौतिकी में नोबेल पुरस्कार के लिए रमन की खोज की कलनी' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया, जिसे पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के पूर्व कुलपति प्रो अरुण कुमार आमंत्रित वक्ता रहे।

उन्होंने सर चंद्रशेखर वेंकट रमन की यात्रा और नोबेल पुरस्कार के लिए उनके दृढ़ संकल्प के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने अपने व्याख्यान की शुरुआत सर जे.सी. बोस की वैज्ञानिक यात्रा और आधुनिक विज्ञान में उनके योगदान से की। उन्होंने कहा कि जे.सी. बोस की रुचि केवल शोध में थी और उन्होंने इस वैज्ञानिक आविष्कार के पेटेंट या नोबेल पुरस्कार के लिए कभी दावा नहीं किया जबकि सीवी रमन ने नोबेल पुरस्कार के लिए दुनियाभर के वैज्ञानिकों को चुनौती दी। प्रो. ग़ोवर ने



सी. वी. रमन के नोबेल पुरस्कार से जुड़े दिलचस्प तथ्यों को रखा। उन्होंने कहा कि सीवी रमन न केवल अपने समय के विज्ञान के शीर्ष पावदान पर एक बहुत ही प्रतिभाशाली भौतिक विज्ञानी थे, बल्कि उन्हें

कलकत्ता विश्वविद्यालय में साथी वैज्ञानिकों एवं सरंक्षकों का भी समर्थन प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने काम की गुणवत्ता पर भी बहुत भरोसा था और नोबेल पुरस्कार के लिए नामांकन के लिए यूरोपीय

और अमेरिकी वैज्ञानिकों से संपर्क करने में उन्होंने बिल्कुल संकोच नहीं किया।

कुलपति प्रो एस के तोमर ने प्रो. ग़ोवर द्वारा विज्ञान से जुड़े रोचक तथ्यों को विद्यार्थियों के समक्ष रखने के लिए उनका धन्यवाद किया तथा विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में भौतिकी विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इससे पहले भौतिकी विभाग की अध्यक्ष डॉ. अनुराधा शर्मा ने आमंत्रित

वक्ता का स्वागत किया और विद्यार्थियों को विज्ञान के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. मनीषा गर्ग ने धन्यवाद ज्ञापित किया।



**J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad**  
(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: [www.icboseust.ac.in](http://www.icboseust.ac.in)



GOLDEN JUBILEE YEAR  
(1969-2019)

**NEWS CLIPPING:22.03.2023**

## HINDUSTAN

# सीवी रमन के नोबेल पुरस्कार पर हुई चर्चा

फरीदाबाद। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के भौतिकी विभाग ने मंगलवार को 'भौतिकी में नोबेल पुरस्कार के लिए रमन की खोज की कहानी' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया, जिसे पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के पूर्व कुलपति प्रो अरुण कुमार आमंत्रित वक्ता रहे।



**J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad**  
(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: [www.icboseust.ac.in](http://www.icboseust.ac.in)



GOLDEN JUBILEE YEAR  
(1969-2019)

**NEWS CLIPPING:22.03.2023**

## AMAR UJALA

### सीवी रमन के नोबेल पुरस्कार से जुड़े रोचक तथ्यों पर चर्चा

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग ने मंगलवार को ' भौतिकी में नोबेल पुरस्कार के लिए रमन की खोज की कहानी ' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया। इसमें पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के पूर्व कुलपति प्रो.

अरुण कुमार आमंत्रित वक्ता रहे। प्रो. अरुण ने चंद्रशेखर वेंकट रमन की यात्रा और नोबेल पुरस्कार के लिए उनके दृढ़ संकल्प के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने शुरुआत जेसी बोस की वैज्ञानिक यात्रा और आधुनिक विज्ञान में उनके योगदान से की। संवाद